Side-effects

Taking Parkinson's medication can cause other problems for some people, including:

- Nausea
- Involuntary movements
- Worsening of constipation
- Low blood pressure
- Confusion and hallucinations
- Behavioral problems, such as feeling an uncontrollable need to gamble, have sex or pursue hobbies.

Side-effects can usually be treated. Any problems should be discussed with a doctor.

Managing Parkinson's medication

Each person with Parkinson's has different medication needs and it can take time to find what works best. Some people find the benefits of medication reduce and symptoms return over time. It can help to keep a diary of symptoms and when they occur so that the doctor can work out the most effective timing and dosage. It is important to avoid changing times or doses without talking to the doctor.

Some treatments for other conditions can cause problems for people taking Parkinson's medication. It is a good idea to keep an up to date list of all medicines to show to the doctor or pharmacist before taking any new medicines or stopping any medicines.

When going to hospital it is essential that hospital staff understand that Parkinson's medication needs to be taken at the time prescribed and not just at routine drug rounds. A way to ensure this is to have the admitting doctor record the prescribed dose and times on the patient's drug chart.

April 2012

Parkinson's Victoria acknowledges the support of the Lord Mayor's Charitable Foundation, which enabled the production of this information resource.

Parkinson's Victoria is not liable for any error or omission in this publication.

© Parkinson's Victoria

Surgery for Parkinson's

Some people with Parkinson's may benefit from surgery, particularly where symptoms are not controlled well enough by medication. Not everyone is suitable for this treatment and surgery is not usually considered in the early stages of the condition.

Tips for people with Parkinson's when visiting their doctor:

- Make a list of points to discuss and take this to your appointment
- Take an up to date list of all your medications
- Be honest about the symptoms you are experiencing
- If you don't understand something, ask the doctor to repeat it or explain it in a different way
- Write down anything important, or ask the doctor to write it down
- Bring a family member or other support person along
- If you speak a language other than English it is very important to have an interpreter present. Ask for an interpreter when booking your appointment. This is usually free of charge.

This Help Sheet provides general information only. Parkinson's Australia does not endorse any particular drug product and all medications should be discussed with a health care professional.

For further information & support contact:

1800 644 189

To speak to us in a language other than English:

Phone: **131 450** and ask for an interpreter in your language to connect you to Parkinson's Australia in your state or territory. This is a free service.

This and other help sheets are available in a range of community languages. Contact us or download them from our website.

पार्किन्संस रोग के लिए चिकित्सीय उपचार

यह सहायता पत्रक पार्किन्संस रोग के लिए सामान्य चिकित्सीय उपचारों का बुनियादी सारांश प्रदान करता है। यह वर्णन करता है कि किस प्रकार दवाईयों से लक्षणों का उपचार होता है और ये किस प्रकार लोगों को सुरक्षित तथा स्वतंत्र रूप से जीवन व्यतीत करने में मदद करती हैं।

यहाँ दी गई जानकारी केवल एक संदर्शिका है। यह महत्वपूर्ण है कि पार्किन्संस से ग्रस्त लोग उपलब्ध उपचारों और लक्षणों के जारी निरीक्षण पर विशेषज्ञ परामर्श के लिए न्युरोलोजिस्ट जैसे किसी विशेषज्ञ डॉक्टर से मिलें।

पार्किन्संस रोग क्या है?

पार्किन्संस रोग एक ऐसी अवस्था है जो गतिविधि को प्रभावित करती है। मस्तिष्क से आने वाले संदेशों में विकार पड़ने के फलस्वरूप पार्किन्संस से ग्रस्त लोगों को शरीर की मांसपेशियों को नियन्त्रित करने में समस्या आती है। ये समस्याएं समय के साथ–साथ और बिगड़ती जाती हैं।

हमें इसके कारण ज्ञात नहीं हैं, परन्तु पार्किन्संस रोग से ग्रस्त लोगों में डोपामाइन कहे जाने वाले मस्तिष्क रसायन के स्तर निम्न रूप में पाए जाते हैं। डोपामाइन मांसपेशियों का नियंत्रण करने और शरीर को बिना किसी समस्या के और आसानी से चलाने में मस्तिष्क की सहायता करता है।

मुख्य लक्षणों में कंपन, मांसपेशियों में अकड़न, धीमी गतिविधि और संतुलन संबंधी समस्याएं शामिल हैं। पार्किन्संस रोग हर व्यक्ति को अलग–अलग तरीके से प्रभावित करता है और अलग–अलग दिन लक्षण अलग–अलग प्रकार के हो सकते हैं। लक्षणों के कारण गंभीर समस्याएं पैदा होना शुरू होने में कई वर्ष लग सकते हैं। जब लक्षण प्रकट होते हैं, तो इनमें से कई लक्षणों को उपचार और सहायता के द्वारा संभाला जा सकता है।

पार्किन्संस रोग का इलाज कैसे किया जाता है?

बहुत शुरूआती अवस्थाओं में इलाज की आवश्यकता सम्भवतः नहीं होती है। जैसे–जैसे अवस्था विकसित होती है, दवाएं लक्षणों को नियंत्रित करने और लोगों को निरंतर सुरक्षित तथा स्वतंत्र रूप से जीवन व्यतीत करने हेतु योग्य बनाने में मदद कर सकती हैं।

पार्किन्संस रोग के लिए सामान्य उपचार

Levodopa (लेवोडोपा) पार्किन्संस रोग के इलाज के लिए मुख्यतः प्रयुक्त की जाती है। यह मस्तिष्क में डोपामाइन के रूप में परिवर्तित हो कर कार्य करती है। लेवोडोपा की दवा में अन्य दवाइयां मिली होती हैं – *carbidopa, benserazide or entacapone* – ताकि इसे मस्तिष्क तक पहुँचाने में मदद मिल सके।

** ब्रांड के नामः Sinemet, Madopar, Stalevo (ध्यान दें Stalevo में entacapone शामिल होता है – COMT इन्हिबिटर्स देखें)।*

Dopamine Agonist (डोपामाइन एगोनिस्ट) की दवाइयों के कारण डोपामाइन का प्रयोग करने वाली कोशिकाएं और अधिक दक्षता से कार्य करती हैं। लेवोडोपा की तुलना में इनका प्रभाव दीर्घकाल तक बना रहता है और इन्हें लेवोडोपा के साथ प्रयोग किया जा सकता है ताकि यह अधिक लम्बे समय तक प्रभावी रहे।

** ब्रांड के नामः Parlodel, Cabaser, Permax, Apomine, Sifril।*

MAO इन्हिबिटर्स, विशेष रूप से selegeline, मस्तिष्क में डोपामाइन के विकार को कम करते हैं तथा लेवोडोपा की कम खुराकों को और अधिक प्रभावी बनाते हैं।

** ब्रांड के नामः Eldepryl, Selgene।*

COMT इन्हिबिटर्स, विशेष रूप से entacapone, लेवोडोपा को मस्तिष्क तक पहुँचाने में मदद करते हैं।

** ब्रांड के नामः Comtan*

*** ध्यान देंः ब्रांड के नाम समय–समय पर बदलते रहते हैं और वैकल्पिक अथवा सामान्य ब्रांड भी उपलब्ध हैं।**

दुष्प्रभाव

पार्किन्संस रोग के लिए दवा के प्रयोग से कुछ लोगों को अन्य समस्याएं पेश आ सकती हैं, जिनमें निम्नलिखित समस्याएं शामिल हैंः

- मिचली
- अनैच्छिक गतिविधियां
- कब्ज़ का और बिगड़ना
- निम्न रक्त दाब
- व्याकुलता एवं भ्रम
- आचरण संबंधी समस्याएं, जैसे कि जुआ खेलने, संभोग करने या अपने शौक पूरा करने की अनियंत्रणीय आवश्यकता।

दुष्प्रभावों का आम तौर पर इलाज किया जा सकता है। किसी भी समस्या के बारे में डॉक्टर के साथ विचार-विमर्श किया जाना चाहिए।

पार्किन्संस की दवाइयों का प्रबंध

पार्किन्संस रोग से ग्रस्त हर व्यक्ति के लिए दवाइयों की ज़रूरत अलग-अलग होती है और यह पता लगाने में समय लग सकता है कि सबसे अच्छी तरह कौन सी दवा काम करती है। कुछ लोगों को ऐसा प्रतीत होता है कि समय के साथ-साथ दवाइयों के लाभ कम होते जाते हैं और लक्षण वापस लौट आते हैं। लक्षणों की एक डायरी बना कर रखना और जब-जब वे सामने आएं, उन्हें लिखना सहायक हो सकता है ताकि डॉक्टर सबसे प्रभावी समय और खुराक तय कर सके। डॉक्टर से बात किए बिना समय या खुराक को न बदलना आवश्यक है।

पार्किन्संस रोग की दवा का प्रयोग करने वाले लोगों में अन्य बीमारियों के लिए किए जा रहे कुछ उपचार समस्याएं उत्पन्न कर सकते हैं। सभी दवाइयों की नवीनतम सूची बना कर रखना एक अच्छा विचार है ताकि किसी नई दवा का सेवन शुरू करने या किसी दवा का सेवन बंद करने से पहले उस सूची को डॉक्टर या फार्मासिस्ट को दिखाया जा सके।

अस्पताल जाते समय यह अत्यावश्यक है कि अस्पताल के कर्मचारी यह समझते हैं कि पार्किन्संस रोग की दवा नियत समय पर ही दी जानी चाहिए, न कि अन्य दवाइयों के दिए जाने के नित्य समय पर। इसे सुनिश्चित करने का एक तरीका यह है कि भर्ती करने वाले डॉक्टर के द्वारा रोगी के ड्रग चार्ट पर निर्धारित खुराक और समय को रिकार्ड करवाया जाए।

पार्किन्संस रोग के लिए सर्जरी

पार्किन्संस रोग से ग्रस्त कुछ लोगों को सर्जरी कराने से लाभ हो सकता है, विशेषकर उन परिस्थितियों में जहाँ लक्षणों को दवाइयों के द्वारा अच्छी तरह से नियंत्रित नहीं किया जाता है। यह उपचार हर किसी के लिए उपयुक्त नहीं है और अवस्था के शुरूआती चरणों में सर्जरी पर ग़ौर नहीं किया जाता है।

पार्किन्संस रोग से ग्रस्त लोगों के लिए डॉक्टर से मिलने के दौरान काम आने वाले कुछ सुझावः

- जिन बातों पर चर्चा करनी है, उनकी सूची बनाएं और अपनी अपाइंटमेंट के समय उसे साथ लेकर जाएं
- अपनी सभी दवाओं की नवीनतम सूची अपने साथ लेकर जाएं
- आप जिन लक्षणों का अनुभव कर रहे हों, उनके बारे में ठीक-ठीक बतायें
- यदि आपको कुछ समझ न आए, तो डॉक्टर से उसे दोहराने के लिए या किसी अलग तरह से उसका वर्णन करने का निवेदन करें
- यदि कुछ खास हो तो उसे लिखें, या डॉक्टर से उसे लिखने का निवेदन करें
- अपने साथ परिवार के किसी सदस्य या किसी सहायक व्यक्ति को लाएं
- यदि आप बातचीत के दौरान अंग्रेज़ी के अलावा किसी अन्य भाषा का प्रयोग करते/करती हैं, तो किसी दुभाषिए की उपस्थिती बहुत ज़रूरी है। अपनी अपाइंटमेंट बुक करते समय दुभाषिए के लिए निवेदन करें। यह सेवा आम तौर पर निःशुल्क होती है।

यह सहायता पत्रक केवल सामान्य जानकारी ही प्रदान करता है। Parkinson's Australia किसी विशेष ड्रग उत्पाद (ब्रांड की दवा) का समर्थन नहीं करता है और सभी दवाइयों के बारे में किसी स्वास्थ्य देखभाल व्यवसायी के साथ विचार-विमर्श किया जाना चाहिए।

जानकारी और सहायता के लिए

Parkinson's Victoria (पार्किन्संस ऑस्ट्रेलिया) 1800 644 189

यदि फोन पर बातचीत करने में सहायता के लिए आपको एक दुभाषिए की आवश्यकता हैः

तो **131 450** पर फोन करें और दुभाषिए के लिए निवेदन करें ताकि आपको आपके राज्य या टेरेटरी (राज्य-क्षेत्र) में Parkinson's Australia के साथ कनेक्ट किया जा सके। यह सेवा निःशुल्क है

www.parkinsons.org.au

अप्रैल 2012

इस पुस्तिका को लार्ड मेयर के चैरिटेबल फंड की सहायता के साथ Parkinson's Victoria (पार्किन्संस विक्टोरिया) द्वारा तैयार किया गया है।

Parkinson's Victoria इस प्रकाशन में किसी प्रकार की त्रुटि या चूक के लिए जिम्मेदार नहीं है।

© Parkinson's Victoria

Medical treatments for **Parkinson's** disease

This Help Sheet gives a basic outline of the common medical treatments for Parkinson's disease. It explains how medications treat symptoms and help people to live safely and independently.

The information here is only a guide. It is important that people with Parkinson's see a specialist doctor such as a neurologist for expert advice on available treatments and ongoing monitoring of symptoms.

What is Parkinson's disease?

Parkinson's disease is a condition that affects movement. People with Parkinson's have problems controlling the muscles of the body due to a breakdown of messages from the brain. These problems get worse over time.

We do not know its causes, but people with Parkinson's have low levels of a brain chemical called dopamine. Dopamine helps the brain to control the muscles and move the body smoothly and easily.

The main symptoms include shaking, stiff muscles, slow movement and problems with balance. Parkinson's affects each person differently and symptoms can vary on different days. It may take many years before symptoms start to cause major problems. When they do, many of these symptoms can be managed with treatment and support.

How is Parkinson's treated?

Treatment may not be needed in the very early stages. As the condition progresses, medications can help to control symptoms and allow people to continue to live safely and independently.

Common treatments for Parkinson's

Levodopa is the main treatment for Parkinson's. It works by changing into dopamine in the brain. Levodopa medications contain other drugs – *carbidopa, benserazide* or *entacapone* – to help it reach the brain.

** Brand names: Sinemet, Madopar, Stalevo. (Stalevo contains entacapone – see COMT Inhibitors.)*

Dopamine Agonist medications make the cells that use dopamine work more efficiently. They have a longer lasting effect than levodopa and can be used with levodopa to help it to work for longer.

** Brand names: Parlodel, Cabaser, Permax, Apomine, Sifrol.*

MAO Inhibitors, particularly selegeline, reduce the breakdown of dopamine in the brain, allowing lower doses of levodopa to be more effective.

** Brand name: Eldepryl, Selgene.*

COMT Inhibitors, particularly entacapone, help levodopa to reach the brain.

** Brand name: Comtan*

***Note: Brand names change from time to time and substitute or generic brands are also available.**